

घरेलू हिंसा

हर वर्ष लगभग पच्चीस लाख स्त्रियों को घरेलू हिंसा का कष्ट सहन करना पड़ता है। यह हिंसा शारीरिक, मानसिक या दोनों प्रकार की हो सकती है और इसका प्रभाव हर उम्र, नस्ल और पृष्ठभूमि वाले लोगों पर पड़ता है।

आपके साथ दुर्व्यवहार करने वाला आपका साथी, भूतपूर्व साथी या परिवार का कोई सदस्य हो सकता है। कौंसिल यह मानती है कि अन्य संबंधों में भी घरेलू हिंसा हो सकती है, जैसे देखरेख करने वाले और करवाने वाले के बीच में।

प्रायः बेघर हो जाने के भय से लोग इस हिंसक संबंध को त्याग नहीं सकते। परंतु याद रखें कि आप किसी और घर में जा सकती हैं, और कई प्रकार की रिहाइश में से कोई अपने लिए चुन सकती हैं -

रैफ्यूज (आश्रय ढूँढना)

रैफ्यूज या आश्रय देने वाले स्थान। आप अपने हाऊजिंग आफिस या इस पन्ने में बताई संस्थाओं में से किसी से मदद ले सकती हैं।

रैफ्यूज ऐसा सुरक्षित स्थान होता है जहाँ घरेलू हिंसा से पीड़ित स्त्रियाँ रह सकती हैं। यहाँ फुल-टाईम काम करने वाली वर्कर बैनीफिट क्लेम करने, कानूनी सलाह लेने और भविष्य के लिए योजनाएं बनाने में आपकी मदद करती हैं।

रैफ्यूज का पता और टेलीफोन नंबर गुप्त रखे जाते हैं, परंतु स्त्रियों के ग्रुप, पुलिस, सोशल सर्विसिज़, हाऊजिंग अफसर आी सैमेरीटन्ज़ इनके साथ आपका संपर्क करवा सकते हैं।

कौंसिल के घर

आप कह सकती हैं कि आपको हिंसा वाले स्थान से कहीं दूर भेज दिया जाए। यदि आप स्त्री हैं और आपका हाऊजिंग अफसर पुरुष है, तो, यदि आप चाहें तो किसी स्त्री अफसर से बात कर सकती हैं। आपको हमेशा पूछा जाएगा कि क्या आप ऐसा चाहती हैं।

आपका/आपकी हाऊजिंग अफसर आपको पूरी सलाह दे सकेगा/सकेगी।

- वे ऐसे सोलिस्टरों को जानते हैं जो इस काम के माहिर हैं।
- वे आपका नाम स्त्रियों के किसी रैफ्यूज में भेज सकते हैं।
- कुछ हालतों में वे आपको किसी सुरक्षित स्थान पर भेजने का प्रबंध कर सकते हैं।
- वे ऐसी स्थानीय संस्थाओं को जानते होंगे जो कई कामों में आपकी मदद कर सकती हैं।
- कुछ हालों में वे आपके घर की अधिक सुरक्षा का प्रबंध भी करवा सकते हैं, जैसे ताले बदलना।

कानूनी समस्याएं

हो सकता है कि आपकी सुरक्षा के लिए अदालत से कोई निर्देश जारी हो जाए। इस निर्देश को इंजंक्शन कहा जाता है और आप पर हमला करने वाले को यह आपके घर के निकट आने, आपको गालियाँ निकालने और आपके साथ तथा आपके बच्चों के साथ मारपीट करने से रोकता है। प्रायः इस निर्देश के साथ गिरफ्तार करने की व्यवस्था भी होती है, जिसका अर्थ यह है कि यदि कोई इस आदेश का उल्लंघन करेगा तो पुलिस तुरंत कार्यवाई करके ऐसा करने वाले को गिरफ्तार करेगी। इंजंक्शन स्थानीय पुलिस स्टेशन में रखे जा सकते हैं ताकि ज़रूरत होने पर पुलिस तुरंत कार्यवाई करके इसका उल्लंघन करने वाले को गिरफ्तार कर सकते हो। हो सकता है कि हम घरेलू हिंसा करने वाले को उसके घर से निकालने की कोशिश भी करें।

यदि आपकी आमदन कम है, या यदि आपको कोई बैनीफिट मिलते हैं, तो हो सकता है कि आपको लीगल हेल्प या कानूनी मदद लेने का अधिकार हो (इसे पहले लीगल एड कहा जाता था)।

पुलिस

पुलिस के कम्युनिटी सेफ्टी यूनिट में खास अफसर होते हैं जो घरेलू हिंसा के केसों को संभालते हैं। घरेलू हिंसा गंभीर अपराध है। यदि आपको लगे कि पुलिस आपकी मदद कर सकती है, तो आन बिना निस्संकोच पुलिस से बात करें।

असाइलम सीकअ (पनाहगीर)

यदि हिंसा वाला घर छोड़ने के बाद आपको अपने दर्जे के बारे में चिंता है तो ऑव ज्वाइंट कौंसिल फ़ॉर द वेलफ़ेअर ऑव इम्मिग्रेंट्स (Joint Council for the Welfare of Immigrants) के साथ या हमारी असाइलम टीम के साथ बात करें, जिनका दफ़तर टाऊन हाल के पीछे वाली बस्ती में है।

काम आने वाले नंबर

- ईस्टर्न एरिया आफिस
फ़ोन: 020 8825 8822
- वैस्टर्न एरिया आफिस
फ़ोन: 020 8825 8833
- रिपेअर लिंक
फ़ोन: 020 8825 8844
- लोकल पुलिस
फ़ोन: 020 8810 1212
- ऐन्वारनमेंटल हेल्थ
फ़ोन: 020 8825 6633
- ईलिंग आई ऐम ऐस (मीडिएशन सर्विस)
फ़ोन: 0208 575 9500
- ईलिंग डोमैस्टिक वाइओलेंस ऐडवोकेसी यूनिट
फ़ोन: 0208 840 4845
- ईलिंग डोमैस्टिक वाइओलेंस को-आडीनेटर
फ़ोन: 0208 825 6426
- ईलिंग पुलिस सी ऐस यू
फ़ोन: 0208 246 9617

घरेलू हिंसा

- साऊथहाल ब्लैक सिस्टर्ज़
फ़ोन: 020 8571 9595
- विमेन्ज़ ऐड
फ़ोन: 0845 702 3468
- नेशनल डोमैस्टिक वाइओलेंस हेल्पलाइन
फ़ोन: 0808 2000 247

मुसीबत के समय नंबर
999 पर फ़ोन करें।